

मानव स्वाइन इन्फ्लूएंजा

(Human Swine Influenza)

भूमिका

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने स्वाइन इन्फ्लूएंजा A H1N1 (स्वाइन फ्लू) को वैश्विक महामारी घोषित कर दिया है। हांगकांग एवं अन्य देशों में भी स्वाइन फ्लू के संक्रमण के मरीज पाये गये हैं।

स्वाइन इन्फ्लूएंजा मूल रूप से टाइप A इन्फ्लूएंजा से सुअरों में होने वाली बीमारी है। लेकिन कभी-कभी यह मानवों को भी संक्रमित करती है। वर्तमान स्वाइन फ्लू संक्रमण मानव से मानव में फैल रहा है।

लक्षण

आमतौर पर स्वाइन इन्फ्लूएंजा के लक्षण मौसमी इन्फ्लूएंजा से मिलते हैं (बुखार, सुस्ती, भूख न लगना एवं खँसी आदि)। स्वाइन फ्लू से संक्रमित व्यक्ति को नाक से पानी बहने, गले में दर्द, उल्टी या दस्त की शिकायत हो सकती है।

संक्रमण फैलने के तरीके –

मानव में यह संक्रमण मौसमी इन्फ्लूएंजा की तरह ही फैलता है। मुख्यतः यह छींक या खँसी द्वारा तथा संक्रमित वस्तु को छूने के बाद मूँह या नाक को हाथ लगाने से होता है।

ऐसा पाया गया है कि यह ठीक प्रकार से पकाये हुए सुअर के मांस या मांस के उत्पाद को खाने से नहीं होता। सुअर के मांस को 70°C (160°F) के आन्तरिक ताप पर पकाने से स्वाइन फ्लू के जीवाणु मर जाते हैं।

प्रबन्धन

फ्लू के लक्षण उत्पन्न होने पर नाक एवं मूँह को ढक कर रखें एवं तुरन्त चिकित्सक की सलाह लें। संक्रमित व्यक्ति या स्थान के सम्पर्क में आने पर संपर्क में आये व्यक्तियों एवं स्थान की जानकारी चिकित्सक को दें। जीवाणु विरोधी दवाइयाँ बीमारी की गंभीरता एवं अवधि को कम कर सकती हैं। दवाइयों का प्रयोग चिकित्सक की देखरेख में ही करें। स्वचिकित्सा न करें।

रोकथाम

स्वाइन फ्लू जीवाणु के सामान्य फ्लू जीवाणु से भिन्न होने के कारण सामान्य मौसमी फ्लू के लिए लगनेवाला टीका स्वाइन फ्लू में सुरक्षा नहीं देता है।

सावधानी हेतु निम्न उपाय करें –

हाथों को साफ रखें एवं अच्छी तरह से धोएं।

संकमित वस्तु को छूने के बाद आँख,, नाक एवं मूँह को ढक कर रखें।

भीड़ के स्थानों या दूषित वातावरण वाले स्थानों से बचे। अगर आप ऐसा करते हैं, तो वैयक्तिक स्वास्थ्य सुरक्षा उपाय करें और मास्क पहनें।

खाँसते एवं छींकते समय हाथ गंदा होने पर साबुन से हाथ साफ करें।

थूकें नहीं। नाक एवं मुँह से निकले मैल को कागज में ठीक से लपेट कर ढक्कन वाले कचरे के डिब्बे में फेंकें।

सांस सम्बन्धी बीमारी एवं बुखार के लक्षण उत्पन्न होने पर मास्क का प्रयोग करें एवं तुरन्त चिकित्सक से सम्पर्क करें।

इन्फ्लूएंजा के लक्षण उत्पन्न होने पर स्कूल एवं काम से दूर रहें।

वैयक्तिक स्वच्छता का ध्यान रखें, हाथों को धोयें या हैंडरब का इस्तेमाल अवश्य करें और बीमार व्यक्तियों के संपर्क में न आये वापसी के पहले, अगर आप में इन्फ्लूएंजा के लक्षण लगे तो, जहाज पर न चढ़ें और मास्क जरूर पहनें और जहाँ आप रहें चिकित्सकीय सलाह अवश्य लें।

संकमित स्थानों की यात्रा न करें जबतक कि अत्यावश्यक न हो। यात्रा की स्थिति में निम्न सावधानियां बरतें बीमार व्यक्तियों के संपर्क में न आये।

मास्क का प्रयोग करें।

यात्रा के दौरान या बाद में भीड़ के स्थानों में न जायें बुखार या इन्फ्लूएंजा के लक्षण उत्पन्न होने पर तुरन्त चिकित्सक से संपर्क करें एवं अपनी यात्रा के बारे में चिकित्सक को बतायें।

19 जून 2009 संस्करण